बढ़ रहा है वैश्विक बीज बैंक

वर्ष 2000 में लंदन में एक अंतर्राष्ट्रीय बीज बैंक की स्थापना की गई थी। इसमें दुनिया के कई देशों ने योगदान दिया है। आज इस बीज बैंक में दुनिया भर के 10 प्रतिशत जंगली पौधों के बीज संग्रहित हैं। हाल ही में क्यू सहस्राब्दी बीज बैंक साझेदारी में 24,200वां वनस्पति बीज हासिल किया गया। यह बीज यूनान केले का है जो चीन में पाया जाता है। इसका वानस्पतिक नाम *मूसा इटरैन्स* है और बताते हैं कि एशिया के जंगली हाथी इसे बड़े चाव से खाते हैं। इसके साथ ही क्यू बीज बैंक ने दुनिया की ज्ञात जंगली वनस्पतियों में से 10 प्रतिशत के बीज संग्रह करने का अपना प्रारंभिक लक्ष्य हासिल कर लिया है।

क्यू बीज बैंक दुनिया का सबसे बड़ा जंगली वनस्पति बीज बैंक है। इसे स्थापित करने का उद्देश्य यह है कि शोधकर्ताओं को तमाम औषधीय पौधों और जलवायु परिवर्तन के अनुरूप नई-नई फसलें विकसित करने के लिए पौधों की जंगली किस्में प्राप्त करने के लिए जगह-जगह न भटकना पड़े और एक ही जगह सारे बीज उपलब्ध हो जाएं।

इस अवसर पर क्यू बीज बैंक साझेदारी के मुखिया पौल स्मिथ ने कहा है कि "यह गर्व का विषय है।" अब अगला लक्ष्य है कि वर्ष 2020 तक दुनिया के 25 प्रतिशत जंगली पौधों के बीज संग्रहित कर लिए जाएं।

इसी बीच नॉर्वे में एक और अंतर्राष्ट्रीय बीज बैंक की स्थापना की गई है - स्वालबार्ड ग्लोबल सीड वॉल्ट। इस बीज बैंक में फसलों के बीज संग्रहित किए जाते हैं। इसका उद्देश्य है कि बीमारी वगैरह की स्थिति में फसलों के बीज सुरक्षित रह सकें। ***(स्रोत फीचर्स)***